



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

वनवासी मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा : मुख्यमंत्री यादव



भोपाल 15 अप्रैल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन के शुभारंभ सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए भोपाल में विभागों से समन्वय कर काम किया जाएगा। वनवासी भाई-बहनों तथा सभी वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूर भाई-बहनों के 224 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान करवा दिया है।

रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी शीघ्र करवा दिया जाएगा। सरकार की ओर से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर तलाशने के लिए औद्योगिक निवेश

के लिए संपाीग्य स्तर पर रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगपतियों के साथ अनुबंध किए गये हैं।

भोपाल में 9वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गयी। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर तलाशने के कार्य किए गए हैं।

प्रदेश में रोजगारमूलक उद्यम स्थापित करने वाले उद्योगपतियों को जमीन आवंटन, विद्युत बिल में छूट देते हुए 70 प्रतिशत तक सरकार द्वारा सबसिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के हित में करेंगे काम, और काम के लेंगे पूरे दाम, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने

वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा। वस्त्र उद्योग में कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपए प्रति माह अनुग्रह राशि देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अलीराजपुर क्षेत्र के मजदूर भाई-बहन काम की तलाश में गुजरात राज्य की सूरत स्थित हीरा फैक्ट्री में कार्य पर जाते हैं।

इसके लिए अब अलीराजपुर में ही हीरा फैक्ट्री के माध्यम से रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। गंभीर बीमारी के समय गरीबों/मजदूरों के उपचार के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से अन्यत्र भेजने की व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है। गरीबों के उपचार के लिये प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना में निजी चिकित्सालयों में भी उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

भाजपा सरकार दिन दुनी रात चौगुनी गति से कर रही विकास के काम - परिहार



नीमच 15 अप्रैल (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में विकास के काम दिन दुनी रात चौगुनी गति से किए जा रहे हैं। 2600 रू. किंवटल में गेहूं खरीद रहे हैं, नीमच मेडिकल कॉलेज में 550 सीटें बढ़ाई जा रही है, नर्सिंग कॉलेज भी बनेगा, नीमच से हवाई सेवाएं जल्द ही प्रारंभ होगी, नीमच से डूंगलावदा

फोरलेन निर्माण प्रारंभ हो गया है, तहसील स्तर पर बड़े स्टेडियमों का निर्माण होगा।

उक्त बात विधायक दिलीपसिंह परिहार ने 1 करोड़ 74 लाख रुपए की लागत से कुशा भाऊ ठाकरे मंडल में बनने वाले भंवरसा-जेतपुरा सडक मार्ग के भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणजनों को सम्बोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर जिला पंचायत

अध्यक्ष सज्जनसिंह चौहान, मेहरसिंह जाट, मंडल अध्यक्ष किशोदास बैरागी, मदन गुर्जर, उप सरपंच सुरेंद्रसिंह तोमर, जगदीश परमार, सुरेंद्रसिंह चौहान, डॉ.नरेंद्र शर्मा, गुडू जाट, राजू चौहान, बमोरा सरपंच दिलीपसिंह चौहान, निलेश पाटीदार, ग्राम पंचायत भंवरसा के ग्रामवासी, मंडल पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैन मुनि पर प्राण घातक हमले के विरोध में सकल जैन समाज जनों ने आक्रोश वाहन रैली निकालकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जैन संत पर हमले की घटना की सामूहिक निंदा और सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ भविष्य में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की



नीमच 15 अप्रैल (निप्र)। जिले की सिंगोली तहसील के ग्राम कच्छाला पर नीमच सिंगोली मार्ग स्थित हनुमान मंदिर परिसर में 13 अप्रैल की रात्रि को 10 बजे असामाजिक तत्वों द्वारा जैन मुनि शैलेष, बलभद्र मुनि, मुनिन्द्र मुनि,आदि ठाणा 3के साथ बेहरमी से अमानवीय व्यवहार व मारपीट की घटना कारित की गई।मुनिश्री पर प्राण घातक हमला करने की घटना के विरोध में सकल जैन समाज नीमच द्वारा एक आक्रोश वाहन रैली मंगलवार को सुबह 10:30 बजे जैन कॉलोनी स्थित जैन स्थाक से निकली । वाहन रैली में सबसे आगे समाज जैन पैदल चल रहे थे उसके पीछे दो पहिया वाहन उसके पीछे तीन पहिया वाहन चल रहे थे । बड़ी संख्या में समाजजन हाथों में नारे लिखि तखिया हाथ में लिए चल रहे थे । सकल जैन समाज जनों ने संत पर हुए हमले की तीव्र भरस्ना करते हुए भविष्य में सुरक्षा बढ़ाने

की मांग की ।आक्रोश रैली जैन कॉलोनी ,जैन भवन मार्ग, पुस्तक बाजार, श्री भीडभंजन पार्श्वनाथ जैन श्वेतोबर मंदिर जाजु बिल्डिंग, तिलक मार्ग, श्रीराम चौक, घंटाघर, नरसिंह मंदिर ,श्री बड़े बालाजी मंदिर चौराहा, फक्वरा चौक ,कमल चौक, गुरुद्वारा , गोमा बाई मार्ग होते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर भारत सरकार के राष्ट्रपति,मध्य प्रदेश शासन के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन सिंगोली तहसील के ग्राम कच्छाला में हनुमान मंदिर में रात्रि को जैन संत पर हमले की घटना के विरोध में मध्य प्रदेश में किसी भी जैन संत हमले की पुनरावृती नहीं हो तथा जैन संतों को सुरक्षा बढ़ाने की मांग को लेकर को एक ज्ञापन जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि अपर कलेक्टर रश्मि श्रीवास्तव को सौंपा गया। ज्ञापन के मामले को समझने के बाद अपर कलेक्टर श्रीवास्तव ने उपस्थित जैन समाज जनों

को विश्वास दिलाया कि निष्पक्ष विधिवत कानूनी कार्रवाई के लिए सम्बन्धित विभाग के उच्च अधिकारियों का अवगत कराया जाएगा। हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में उल्लेख कर समाज जनों ने बताया कि संतो के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान खून से लथपथ कपड़े देखे गए। संतों पर अत्याचार करने वाले ऐसे आरोपियों के खिलाफ सख्त सशक्त कानूनी कार्रवाई करने व उनकी संपत्ति पर बुलडोजर चलाने की मांग की गई तथा ऐसे अपराधियों पर जानलेवा हमले की धारा 109 भारतीय दंड संहिता 307 की धारा भी बढ़ाई जाने की मांग की गई। यदि समय रहते हुए ऐसे आरोपियों पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो अहिंसात्मक जैन समाज संतों की सुरक्षा की मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन करने को मजबूर होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर सकल जैन समाज के महिला पुरुष और समाज

जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। विरोध प्रदर्शन में सकल जैन समाज के अध्यक्ष अनिल नागौरी स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष जयंतीलाल पित्तलिया , पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह चोरडिया, राकेश जैन पप्पू,नगर पालिका अध्यक्ष स्वाती गौरव चोपड़ा, राहुल पगारिया, राजेश मानव, राजमल छाजेड,जिला काँग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती, योगीराज रंजन स्वामी, गोविंद पोरवाल,हरिवल्लभ मुच्छाल, विवेक खंडेलवाल, योगेश प्रजापति,मनोहर सिंह लोढ़ा, गजेंद्र यादव, इलियास कुरेशी, राकेश अहीर,दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विजय विनायका, वरिष्ठ समाजसेवी संतोष चोपड़ा, अरुण कोठारी, सुभाष बाफना, उमराव राठौड़, गुणवन्त लाल सेठिया, विजय बाफना, जिनेंद्र जैन ,प्रकाश जैन ,सुनील नाहर ,शंभू बम ,महेंद्र बम, विमल कोठारी ,सुनील सुरुणा

,सुनील सेहलोट, सुनील चोरडिया ,रविंद्र सेठिया ,निर्मल पित्तलिया, प्रदीप विनायका, , प्रदीप नाहर, राजेंद्र जारौली ,मनीष जैन नवकार, गौरव छिंगावत, विकास पीतलिया ,बंटी जैन,संगीता जारौली, आशा सांभर, रानी राणा, चंदा मेहता ,कीर्ति मोडी, सुनीता आंचलिया, चेतना लालका, माया वीरवाल, रेखा भामावत सहित बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के प्रतिनिधि सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर संतों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, संतों पर हिंसा देश का अपमान संत हमारा अभिमान है जैसी विभिन्न तख्त्तयों हाथों में लिए समाजजन वाहनों पर सवार थे। समाज जनों द्वारा मार्ग में जाजु बिल्डिंग ,घंटाघर ,बारादरी चौराहा, कमल चौक, जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर पर अपना विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी भी की।विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में हजारों की संख्या में वरिष्ठ समाज जैन महिला पुरुष युवा उपस्थित थे।

RNI NO. MPHIN38290 (TC)
संपादक : ऐश्वर्य शर्मा
नीमच, बुधवार
16 अप्रैल 2025

वर्ष - 02, अंक - 50
- मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664866

MALWA FIRST
Periodicity- Weekly

Commodity:
Gold 79,325
Silver 96,500
Crude Oil 5,963
Natural Gas 302.20
Aluminium 232.30
Copper 827.35

प्रदेश में बंद नही होगी लाइली बहना योजना, आज खाते में आएगी राशि

भोपाल। अप्रैल में अभी तक लाइली बहनों के खातों में प्रतिमाह दी जाने वाली 1,250 रुपये की राशि अंतरित नहीं होने को लेकर विपक्ष द्वारा योजना को धीरे-धीरे बंद किए जाने के आरोप को सरकार ने आधारहीन बताया है। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों को बताया कि राशि अंतरण की तारीख में एकरूपता लाने के लिए यह अब प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास अंतरित की जाएगी। इस बार 16 अप्रैल को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा में आयोजित कार्यक्रम में 1 करोड़ 27 लाख लाइली बहनों के खाते में 1,552.38 करोड़ रुपये

अंतरित किए जाएंगे।

दूध की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर करें मार्केटिंग और ब्रांडिंग – मुख्यमंत्री ने बताया कि पशुपालकों द्वारा उत्पादित दूध एवं इससे जुड़े अन्य उत्पाद अब सीधे राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से खरीदे जाएंगे। इसके लिए 13 अप्रैल को राज्य सरकार तथा बोर्ड के बीच अनुबंध हुआ है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इस पर पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल को निर्देश दिए गए कि नए लक्ष्य शामिल करके अनुबंध में

संशोधन किया जाए। प्रदेश में अगले पांच साल में दो करोड़ लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन क्षमता का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें।

दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए पांच रुपये प्रति लीटर बोनस देने सहित डा. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के प्रचार-प्रसार के साथ मध्य प्रदेश के दूध की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग और ब्रांडिंग की जाए।

सिंहस्थ के लिए राजमार्गों के उन्नयन की मिलेगी स्वीकृति – बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सिंहस्थ 2028 को देखते हुए

आवश्यक सभी राजमार्गों के उन्नयन की स्वीकृति देने की सहमति जताई है। उन्होंने धार के बदनावर से झाबुआ के थांदला से टिमकवाली तक फोरलेन रोड, उज्जैन से झालावाड़ तक फोरलेन और इंदौर पूर्वी सिक्सलेन बाइपास रोड की स्वीकृति देने की सहमति दी है।

विक्रमादित्य महानाट्य को सभी ने सराहा – मुख्यमंत्री ने बताया कि विक्रमोत्सव-2025 अंतर्गत दिल्ली में सप्ताट विक्रमादित्य महानाट्य का 12 से 14 अप्रैल तक सफल मंचन किया गया। इसे दिल्ली की जनता ने बड़े ही आनंद और जिज्ञासा के साथ देखा और सराहा।

डिजिटल फ्रॉड करने वालों की अब खैर नहीं CBI ने शुरू किया ऑपरेशन चक्र-V

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसी)। डिजिटल अरेस्ट कर करोड़ों की ठगी करने वाले बड़े गिरोह तक सीबीआई (CBI) पहुंच गई है। फिलहाल इसके चार सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरोह के अन्य सदस्यों की सीबीआई खोज रही है। यही कारण है कि गिरफ्तार आरोपितों के नाम उजागर नहीं हुआ है।

सीबीआई ने इस पूरे ऑपरेशन का नाम 'आपरेशन चक्र-पांच' दिया है। सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार झुंझुनू में एक व्यक्ति को तीन महीने तक डिजिटल अरेस्ट कर 7.6 करोड़ रुपए की ठगी की जांच के दौरान देश भर में फैले इस गिरोह के नेटवर्क का पता चला।

पीडित को डराकर लूटे करोड़ों रुपये – गिरोह के सदस्यों ने विभिन्न एजेंसियों के अधिकारी बनकर पीडित को डराकर 42 बार में यह रकम वसूल की। राजस्थान सरकार के अनुरोध पर झुंझुनू साइबर पुलिस में दर्ज केस की जांच सीबीआई ने अपने हाथ ली थी। फिलहाल जिन चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें दो मुंबई और दो मुरादाबाद के हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान गिरोह द्वारा कई अन्य

लोगों से इसी तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के सुबूत मिल रहे हैं। उनके पास 25 हजार आइपी एड्रेस और लगभग 200 बैंक खाते मिले हैं। जिनकी जांच की जा रही है और इन आइपी एड्रेस से किस-किस को काल किया गया और बैंक खातों में किन-किन लोगों से पैसे ट्रांसफर कराये गए, उनका पता लगाया जा रहा है। इन लोगों के डिजिटल अरेस्ट होकर ठगी का शिकार होने की आशंका है।

सीबीआई ने जांच में हाई टेक्नोलॉजी का किया इस्तेमाल – वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, केस हाथ में लेने के बाद सीबीआई

12th
सफर जोश का

के बाद
मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये



सोनी कोचिंग क्लासेस

ISO 9001 : 2008 Certified

22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनौराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान योजना लागू

5 लाख रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को
निःशुल्क उपचार



आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों कें उपचार निःशुल्क किए जाएंगें –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध





ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच ९6262778282

बेहाल वृद्धों के लिये आयोग बनना एक सराहनीय कदम



ललित गर्ग

देश में बुजुर्गों की हालत दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताड़ना में भी सबसे आगे है। लगभग 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संग्राम झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं।



हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण शिक्षा बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ में इसी प्रांत के सर्वाधिक युवा हैं। भले ही इस प्रांत ने सर्वाधिक शिक्षा से प्रगतिशील सोच दी है, लेकिन अतंहीन औसत लिप्साओं को भी जगाया है, जिससे ही बुजुर्गों की पीढ़िका या उनको उनके हाल पर छोड़ देने की विकृत मानसिकता एवं त्रासदी उभरी है। वृद्धों की उपेक्षा देशभर में देखने को मिल रही है, हाल के वर्षों में तेरल के बड़े पंजाब-हरियाणा की भी नजर आ रही है। वैसे तो कह तो हमारे नीति-नियंत्रणों की नाकामी का भी परिणाम है कि कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का समोहन रोकता है और न ही यह हफ़ा फ़िरक़ी उनको जाने के बड़ा बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा? एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। कुछ बुजुर्गों के पास तो धन का अभाव भी है। इस समस्या को विकराल रूप दे रहा है। राज्य में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं उदासीनता एक बढ़ती चिंता का विषय है, उनका एकाकीपन एवं अकेलापन उससे बड़ी समस्या है। केरल के वृद्ध-संकेत को

महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सुझावभूषण कदम है। लेकिन यह वक्त बाताएगा कि प्रष्ट अफसरशहरी व घुन गलत व्यवस्था में ये आयोग कितना कारगर होगा? लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो समस्या के समाधान की दिशा में रोशनी बनेगा। जरूरत है सरकारी अधिकारी संवेदनशीलता और इंसांनित से बजुर्गों की समस्याओं का समाधान करने के लिये आगे आये। केरल की सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु के अनुसार आयोग समृद्ध और निम्न आय वाले दोनों ही परिवारों के वृद्ध व्यक्तियों के शोषण की समस्या का महत्वपूर्ण समाधान करेगा। जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, उनकी गरिमा, कल्याण और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोगों को अक्सर स्वास्थ्य में गिरावट, अकेलेपन और वित्तीय असुखा जैसे चुनौतियाँ का सामना करना पड़ता है। आवश्यक सहायता प्रदान करने से अधिक समावेशी और दयालु समाज बनाने में मदद मिलती है। निस्संदेह, बजुर्गों की आवश्यकताएँ समित होती हैं। लेकिन समाज में सबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएँ दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की अहल उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। वैसे अकेले रह रहे बजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक

सक्रियता एवं मनोबल इसमें सहायक बनेगा। नीति-निर्वाहों को सोचना होगा कि अगले दशकों में देश युवा भारत से बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? क्या केरल की तरह अन्य राज्यों की सरकारें एक केन्द्र सरकार लगातार बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के लिये ठोस कदम उठाएंगी? वसुधैव कुटुम्बक की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिवजनों एवं माता-पिता की भी बर्बाद नहीं कर पा रहे हैं, उनके भारत नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रिीम कोर्ट ने भी गतिदौड़ हाइकोर्ट के अनेक फैसलों को पलटते हुए सराहनीय पहल की है। जिनमें अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम करने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्ने वृं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच पर विमर्श लगेगा, क्योंकि यह आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रिीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला में कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिाग गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। नये विषय की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहूओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुवह-शाम गुजर जाती है, वहीं युद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि इस तरह परिणाम के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रूपावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तसरा रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। ऐसे शर्म को धोने के लिये ही केरल सरकार का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग बनाना एवं सुप्रिीम कोर्ट का संवेदनशील होना एक उजाला बना है, जिससे जीवन की संस्था को कष्टपूर्ण होने से निजात मिलने की उम्मीद जगी है।

संपादकीय

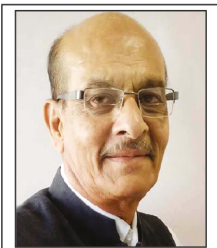
जिम्मेदारी से नहीं बच सकते

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में व्यक्ति (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोधप्रदर्शन हिंसक हो जाने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हिंसक झड़पों के बाद छपेमासी में 150 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। मालदा, दक्षिण 24 परगना और हुगली जिलों में पुलिस वैन समेत कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। सुरक्षाबलों बलों पर पत्थर फेंके गए। सड़क जाम कर दी गई और रेलवे बांधित कर नुकसान पहुंचाया गया। कई जगहों पर ट्रैन सेवाएं घंटों संचालित रखीं। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि कलकत्ता हाईकोर्ट को सीआरपीएफ की तैनाती के आदेश देने पड़े। अदालत ने कहा कि वह इस तरह की स्थिति से आंखें नहीं मूंद सकती। राज्य सरकार और केन्द्र, दोनों को स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट पेश कराने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। केन्द्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि ममता शासन शमशेरगंज, सुती और जंगीपुर में 'हिन्दुओं पर हमलों' के बावजूद बर्खा नहीं देता है। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि व्यक्ति (संशोधन) अधिनियम राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। बेशक, ममता बनर्जी ने हिंसा को किसी सूरत बदशत नहीं करने की बात कही है, लेकिन उनका यह कहना गैर-जिम्मेदार है। यह कि या तो कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री से तथ्यांक के वक्तव्य के कि संसद द्वारा बनाया गया कानून हर राज्य में लागू होता है। ममता भ्रम फैलाने का काम कर रही हैं। वे यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकती कि हमने यह कानून नहीं बनाया है जिस पर लोग भड़के हुए हैं। यह कानून लेकिन ने बनाया है, इसलिए जो भी जवाब चाहिए केन्द्र से मागे जाने चाहिए। केन्द्र के पले में गंदे डाल कर बचा नहीं जा सकता। राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना ममता सरकार की जिम्मेदारी है। और हिंसक प्रतिक्रियाओं से इस अंदाज में बात नहीं की जानी चाहिए कि राज्य सरकार से क्यों नाराज हैं। उनकी नाराजगी तो केन्द्र सरकार से होनी चाहिए जिसमें यह कानून बनाया है। मुख्यमंत्री को जो रोख है कि उससे लगता है कि कानून-व्यवस्था दुरुस्त रखने से ज्यादा उनकी रूचि राजनीति करने में है। मामला अदालत के सम्मक्ष है, तो उसका फैसला आने की अवधि प्रदर्शन अनुचित है। पश्चिम बंगाल सीमांत राज्य है, जिसकी सीमा उत्तर-पुच्छल के शिकार पड़ोसी बांग्लादेश से लगती है। सुरक्षा व्यवस्था में शिथिलता भारी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उत्पन्न प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन का सार्थकता है। शक्ति-संपन्ना में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अश्रुशक्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृति का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वालों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएँ हैं। एक मुनि अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान् महावीर के साधनान्तर में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियाँ पैदा की गईं, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकात्मिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरुन्ध हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएँ अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधियों के साथ दंड-पद्धति का सुजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोषण के लिए प्रायश्चित्त स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं है। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।



सनत जैन

वर्तमान समय में देश का आम नागरिक, विशेषकर निम्न और मध्यम वर्ग, महंगाई और कर्ज के दोहेरे संकट से जूझ रहा है। आज जब एक तोला सोना 90,000 रूपए के पार पहुँच गया है। वहीं आम आदमी की आय और वेतन में उतनी वृद्धि नहीं हुई है। यह आर्थिक असमानता न केवल आम जीवन को कठिन बना रही है। बल्कि सामाजिक और मानसिक तनाव को भी बढ़ा रही है। वर्तमान में मनो रोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करने लगे हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है। जब-जब महंगाई बढ़ी है, उसके साथ लोगों की आय भी बढ़ती है। पिछले 75 वर्षों कि इतिहास में महंगाई और कमाई के बीच इतना बड़ा अंतर का भी देखने को नहीं मिला। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें पेट्रोल और डीजल में 35 से 40 रुपये प्रति लीटर टेक्स आम जनता से वसूल कर रही हैं। जिसके कारण खाने-पीने से लेकर हर चीज की कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। पिछले 10 वर्षों में जीएसटी एवं अन्य टैक्स बढ़ाकर



प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की केन्द्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने सरकार से सरकार के बीच सौदे के तहत 64 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम (मैरी टाइम) विमानों की खरीद को अंतिम रूप दे दिया है। इन्हें विमान वाहन पोत आईएनएस विक्रान्त पर तैनात किया जाएगा। भारत 22 एक सीट वाले और 4 दो सीट वाले लड़ाकु विमान खरीदेगा। हिन्दू प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते हस्तक्षेप के बीच इन विमानों को खास तौर पर भारतीय नौसेना के लिए डिज़ाइन किया गया है। राफेल विमानों की इस खरीद में खंस सरकार की ओर से नौसेना के लिए हथियार, सिमुलैटर, कलपुर्जे, सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और पायलटों को प्रशिक्षण दिया जाना भी शामिल है। खंसीसी एयर स्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित राफेल-एम विमानों की आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद 37 से 65 महीनों के भीतर की जाएगी यानी आपूर्ति 2030-31 तक हो जाएगी। खंस से भारत ने पूर्व में 36 पूर्व राफेल विमान खरीदे हैं। यह समुद्री लड़ाकु विमानों नौसेना की जरूरतों के हिसाब से विकसित किया गया है। यह विमान पुराने विमान मिग-29 का



जन्ता से बसूल किये जा रहे हैं। जिसके कारण आम आदमी महंगाई की मार से कराह रहा है। आर्थिक मंछी ने बेरोजगारी बढ़ा दी है। करोड़ों पढ़े-लिखे स्नातक परस्नातक युवाओं को पिछले 10 वर्ष से नौकरी नहीं मिल रही है। मरनेवां भोज में घटा घटा दिया गया है। शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार मच हुआ है। 78 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार देशमें को मिल रहा है। 1947 में सोने की कीमत मात्र 88.62 रुपये प्रति तोला थी, तब आम आदमियों का वेतन 15 से 30 रुपए महीना होता था। प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसदों, विधायकों का वेतन डेढ़ सौ से ढाई सौ रुपया प्रतिमाह होता था। तुलनास्वरूप से वेतन से प्रधानमंत्री 300 गुना तक सोना खरीद सकते थे। आज प्रधानमंत्री का वेतन लगभग दो लाख रुपये प्रतिमाह है। इस वेतन से

वैसा मात्र 20 ग्राम सोना ही खरीद सकते हैं। बीते सात दशकों में सोने की कीमतों में 1000 गुना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। जबकि आमों में मजदूरी 50 से 60 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस विरसंगिनी का सीधा प्रभाव आम लोगों पर पड़ा है। बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की बचत खत्म हो चुकी है। जरूरतें पूरी करने के लिए बैंक और साहूकारों से कर्ज लेने उनकी मजबूरी बन गई है। कई परिवार सोना गिरवी रखकर पैसे ले रहे हैं, ਕਿस्ते चुका पाने में असमर्थ हैं। ऐसी स्थिति में गिरवी रख हुआ सोना बैंक और वित्तीय संस्थान नीलाम कर रहे हैं। आमदनी अठनी और वित्तीय परिवार खराब होने के कारण, मध्य एवं निम्न वर्ग के लोगों रुपैया होने के कारण, मध्य एवं निम्न वर्ग के परिवार आम आम बच्चों की शिक्षा और पोषण जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहे हैं। आर्थिक

उपलब्धि : राफेल विमान से बढ़ेगी नौसेना की ताकत



ठोस विकल्प साबित होगा। ऐसे विमानों की तलाश में भारत लंबे समय से या क्योंकि हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। हिन्द महासागर में अंतरराष्ट्रीय नियमों का लगातार उल्लंघन करता रहा है जबकि खंस की मंशा इस सागर को खुले और समावेशी क्षेत्र के रूप में सुरक्षित बनाए रखना है। एक तरह से इन विमानों के सौंदो को चीन की मन्मानी की विरुद्ध भारत और खंस की साझा रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि राफेल की खरीद इसलिए उचित है कि भारतीय वायुसेना राफेल के रख-रखाव से संबंधित अधोसंरचना तैयार कर चुकी है। यही नौसेना के काम आ जाएगा। इससे धन की बचत भी होगी।

ये विमान उसी डॉसल्ट कंपनी से खरीदे जा रहे हैं, जिससे 2016 में 36 राफेल विमान खरीदे गए थे। यह खरीद विवादित रहते हुए लोक सभा में चर्चित रही थी।

जबकि इनकी आपूर्ति के बाद भारत की रक्षा शक्ति बढ़ी है। भारत और खंभे के बीच रक्षा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग के दौरान यह अहम उपलब्धि है। भारत सरकार पिछले पांच साल से आईएनएस विमक्रांत के लिए नये लड़ाकू विमान खरीदने की योजना पर विचार कर रही थी। तीन साल पहले अमेरिकी बोइंग एफ-ए-18 सुपर हॉर्नेट और खंसीसी रोफेल-एम में से किसी एक को चुनने का काम शुरू हो गया था। भारतीय नौसेना ने 2022 में गोवा में दोनों विमानों के परीक्षण किए। इनकी खूबियाँ और खामियाँ को लेकर एन रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट के बाद भारतीय रक्षा विशेषज्ञों ने रोफेल-एम को आईएनएस विमक्रांत की जरूरतों के अनुरूप पाया। यह विमान 15.27 मीटर लंबा और 10.80 मीटर चौड़ा है। इसकी ऊंचाई 5.34 मीटर है। इसका कुल वजन 10,600 किग्रा है। यह 1912 किमी. प्रति घंटे की रफतार से उड़ान भरता। 13600

असंतुलन की वंश स्थिति न केवल सामाजिक असुरक्षा और मानसिक तनाव को जन्म दे रही है। देश की उत्पादकता, विकास और प्रगति को भी बाधित कर रही है। सरकार को चाहिए महंगाई पर निबन्धन के लिए ठोस कदम उठाए। निम्न व मध्यम वर्ग के लिए वेतन, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं को मजबूत करें। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार को एक अवसर उपलब्ध थे। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सरकार ने जो कानून बनाए हैं। जिनके कारण स्थानीय रोजगार खत्म होते चले जा रहे हैं। स्थानीय नौकरी खत्म होती जा रही है। वह पुनः स्थापित करने की दिशा सरकार कार्य करे। स्थानीय रोजगार के एक अवसर पैदा कर लोगों की आय और बेरोजगारी की समस्या से निजात पाया जा सकता है। महंगाई और आय के बीच की यह खाई इसी तरह बढ़ती रही, तो आने वाले समय में सामाजिक असंतोष और आर्थिक अस्थिरता एक बड़ी चुनौती बनेगी। समय की मांग है, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, सभी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन इस दिशा में सामूहिक प्रयास करें। आर्थिक मंदी के इस दौर में जब वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाएं अपनी भूमिका सही तरीके से नहीं निभा पा रही हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने रिटेल सेक्टर, आय और नियात व्यापार के लिए अलग से नीतिगत निर्णय लेना होगा। महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या से निपटना होगा। भारत की आबादी चीन के बराबर है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। यही अवसर सही तरीके से बखर्क देना है। जरूर सही तरीके से इसके इस्तेमाल करने की है।



आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यवितगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब झाड़व करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलाने दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं- शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती है, उदारता से सबको जीत

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की ओर बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरनीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।



अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जाती। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारा'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाव से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिस से समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिल्कुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यही मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।



क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रेंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रेस है, जो

हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिड जींस

रिड जींस एक दशक से फैशन ट्रेंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रेंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनती तो उसे ब्लेड से कट करके रिड जींस का लुक दें सकती हैं। रिड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रेंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर हैं। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रेस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही विलयर है कि ये जींस कैसी होगी। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।



बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा

सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।



कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती हैं। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती हैं। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती हैं। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

आंखों पर ध्यान दें
कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ट मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें
अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती हैं। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही हैं मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो



सेवादल का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम 18 को

नीमच। जिला कांग्रेस सेवादल नीमच के अध्यक्ष गजेन्द्र यादव ने अभी हाल ही में अपने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी की अनुशंसा पर नीमच जिले में जम्मा जेट कार्यकारीणी का विस्तार किया है। इस नवीन कार्यकारिणी में नियुक्त हुए पदाधिकारीयो को नियुक्ति पत्र वितरण हेतु 18 अप्रैल को दोपहर 2:00 बजे से स्थानीय गांधी भवन नीमच पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया, सेवादल जिला अध्यक्ष गजेन्द्र यादव, सेवादल महिला संगठन जिला अध्यक्ष बेबी मेहरा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीयो की विशेष उपस्थिति में सेवादल के नवनियुक्त पदाधिकारीयो को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। साथ ही संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चिन्चा विमर्श करने हेतु बैठक आयोजित की जाएगी।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती ग्राम मोड़ी में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब द्वारा प्रदत्त संविधान की रक्षा कांग्रेस ही कर सकती है - अनिल चौरसिया

नीमच । अनुसूचित जाति बाहुल गाँव मोड़ी में जावद ब्लॉक कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती बड़ी धूमधाम से जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया के मुख्य आतिथ्य में मनाई गई। सर्वप्रथम जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया, प्रदेश कांग्रेस सचिव सत्यनारायण पाटीदार, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष गजेन्द्र यादव, जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश राव, अनुसूचित जाति ब्लॉक अध्यक्ष माधवलाल मेघवाल सरपंच प्रतिनिधि गोपाल भाई द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।

अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ नेता राधेश्याम दमामी, दिनेश लाड, माधवलाल मेघवाल, गोपाल भाई द्वारा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनिल चौरसिया ने कहा कि देश के वर्तमान हालात गंभीर है। बाबा साहब ने शोषितों, पीड़ितों, को

जिला पंचायत सी.ई.ओ.ने की जनसुनवाई 65 आवेदकों की सुनी समस्याएं



नीमच 15 अप्रैल (निप्र)। कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जिला पंचायत सी.ई.ओ. अमन वैष्णव ने जनसुनवाई करते हुए 65 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए ।

जनसुनवाई में जवासा के ललीत कुमार, पटेल प्लाजा के सामने नीमच के ऋषभ वीरवाल, स्कीम नं.36 ए नीमच की श्रीमती मनीषा शर्मा, न.पा. नीमच के नाथुलाल नागर, अठाना के प्रेमचंद, रूपपुरा के पुष्पराज बैरागी, स्कीम नं.9 नीमच केंट रेतपुरा के कन्हैयालाल धाकड़, मनासा के केदार कीर, हामाखेड़ी के देवकरण, भगोरी के लक्ष्मण गायरी, जमुनियाकलां की मांगीबाई, भगवानपुरा चौराहा मनासा की अनिता चावला, खड़ावदा के मांगीलाल गायरी, राजस्व कॉलोनी नीमच के शोभागमल, जवाहर नगर नीमच के महेन्द्र, अरनिया बोराना के रामप्रहलाद ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर, समस्याएं सुनाई ।

सिंगोली घटना के आरोपियों के मकानों पर बुलडोजर चलाए जाएं - भूरा कुरैशी

नीमच। जिले के सिंगोली तहसील के कछाला ग्राम में जैन संतों के साथ की गई मारपीट की घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों पर कठोर कार्यवाही करने और जैन संतों सहित सभी संतों की सुरक्षा की उचित व्यवस्था किए जाने को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार मंच जिलाध्यक्ष भूरा कुरैशी ने अपर कलेक्टर को राश्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही कुरैशी ने त्वरित कार्यवाही के लिए जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक का धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

ज्ञापन में कुरैशी ने बताया कि शांत फिजा और अमन चैन के लिए मुशहूर शब-ए-मालवा इलाके में जैन संतों के साथ की गई मारपीट की घटना अंचल के अमन-चैन पर दाग लगाने जैसी है। समाज में अमन-चैन का संदेश देने वाले जैन संतों के साथ ऐसी दर्दनाक घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया जाए, फिर चाहे उनके आवास राजस्थान में ही क्यों न हो। जैन संतों पर इस प्रकार का जानलेवा हमला सहन नहीं किया जाएगा। जैन संतों सहित सभी संतों की सुरक्षा की उचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जावे। ऐसे गुण्डा तत्वों के खिलाफ कठोर कार्यवाही से ही सूबे में अमन-चैन कायम रह सकेगा।

दुदरसी ग्राम में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर सम्पन्न, गोमाबाई नेत्रालय के विशेषज्ञों द्वारा 154 व्यक्तियों का नेत्र रोग परीक्षण



नीमच 15 अप्रैल (नप्र) । प्रदेश के अग्रणी नेत्र चिकित्सालय गोमाबाई नेत्रालय के विशेषज्ञों और सहायक स्टॉफ के दल ने नीमच जिले के ग्राम दुदरसी में पटेल कैवर्लालजी धनगर की स्मृति में आयोजित निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण एवं निदान शिविर में 154 व्यक्तियों का नेत्र परीक्षण किया और आवश्यकतानुसार उपचार तथा नेत्र रोगों से बचाव के उपायों से अवगत कराया ।

नेत्रालय प्रबंधन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ग्राम दुदरसी क्षेत्र के रहवासियों की आँखों के परीक्षण के लिए इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। गोमाबाई नेत्रालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों और सहायकों के दल ने 154 व्यक्तियों के नेत्रों की सभी प्रकार की सघन जाँच की और आवश्यकतानुसार उपचार किया। शिविर में नेत्र परीक्षण परिणामों के अनुसार 70 व्यक्तियों को आवश्यक दवाइयाँ एवं चश्मे वितरित किये गए। इसी प्रकार 14 मरीजों को मोतियाबिंद तथा 22 रोगियों को नाखूना के ऑपरेशन एवं 13 की अन्य चिकित्सा के लिए गोमाबाई नेत्रालय नीमच रेफर किया गया। शिविर के दौरान नेत्र रोगों से बचाव के उपायों, सावधानियों, रोग के बेहतर उपचार तथा नेत्र दान के

परोपकारी अभियान के बारे में भी विस्तार से जानकारीयां प्रदान की गईं। शिविर में नेत्रदान संबंधित जानकारीयां प्रदान की गईं और नेत्रदान के प्रति जागृत किया गया

एमपी में भाजपा विधायक के बेटे की निकली हेकड़ी, किया सरेंडर

देवास 15 अप्रैल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के देवास में 11-12 अप्रैल की दरम्यानी रात माता टेकरी पर वाहनों का काफिला लेकर पहुंचे इंदौर के बीजेपी विधायक गोल् शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष ने अपने साथियों के साथ मिलकर पुजारी के साथ मारपीट की थी। इस मामले में विधायक के बेटे रुद्राक्ष सहित 9 लोगों को आरोपी बनाते हुए मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद अब भाजपा विधायक के बेटे रुद्राक्ष की हेकड़ी निकल गई और उसने खुद मंगलवार को थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। मंगलवार को दिनभर इस तरह की चर्चाएं चलती रहीं कि भाजपा विधायक गोल् शुक्ला देवास माता टेकरी पहुंचने वाले हैं लेकिन शाम तक ऐसा कुछ नहीं हुआ। दिन भर की चर्चाओं के बाद शाम करीब 7.30 बजे अचानक विधायक गोल् शुक्ला का बेटा रुद्राक्ष देवास कोतवाली थाने पहुंचा सरेंडर कर दिया। बताया जा रहा है कि रुद्राक्ष के साथ उसके चार साथियों ने भी सरेंडर किया है। जिसके बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई की और मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद रुद्राक्ष शुक्ला माता टेकरी पहुंचा।

जिले में लोकमाता देवी अहिल्या बाई त्रिशताब्दी समारोह का आयोजन सभी शालाओं में निबंध, वाद-विवाद एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

नीमच 15 अप्रैल (निप्र)। लोकमाता देवी अहिल्या बाईजी होल्कर त्रिशताब्दी समारोह जिले के सभी शासकीय हाई स्कूल, हायर सेकण्डरी विद्यालयों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उनके जीवन, कृतित्व और व्यक्तित्व पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। लोकमाता देवी अहिल्या बाई जी त्रि-शताब्दी कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें उनके जीवन और कृतित्व से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपनाने का अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम न केवल



देवी अहिल्या बाई के जीवन को याद करने का अवसर है, बल्कि उनके आदर्शों और मूल्यों को आत्मसात करने का भी अवसर है। उनके आदर्शों,कर्तव्य प्रेरणा से आज के नवयुवकों का भी मार्ग

पंचायत सी.ई.ओ.अमन वैष्णव व जिला शिक्षा अधिकारी सुजानमल मांगरिया के निर्देशानुसार जिले के सभी हाई स्कूल व हायर सेकण्डरी विद्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन कर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। विद्यार्थियों को स्मार्ट बोर्ड व इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से लोकमाता देवी अहिल्या बाई जी के जीवन वृत्तान्त एवं कार्यों पर आधारित वृत चित्र का प्रदर्शन किया गया। यह जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी नीमच ने दी हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद नीमच जिला -नीमच

क्रमांक

142 /स्वास्था/2025

नीमच,दिनांक

15/04/2025

ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नालिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली से पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण बेबसाईट websitehttp://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है ।

क्रं/ टेंडर क्रं	कार्य का नाम	कार्य की समायावधी एवं लागत	निविदा का प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा प्रपत्र की अंतिम तिथी
2025.UAD.390179	स्वास्थ्य शाखा अंतर्गत किटनाशक सामग्री एवं अन्य सामग्री क्रय करने के संबंध में	1 वर्ष 20 लाख	5000/- 20000/-	30/04/2025
2025.UAD.417034	निकाय अंतर्गत किराये की ट्रेक्टर -ट्राली , पोक्लेण्ड , डम्पर , बैकहोल मशीन (जेसीबी मशीन) , जैन , चंलकुभी निकासने हेतु बड़ी 41 फिट लम्बी पोक्लेण्ड मशीन आदि किराये पर लेने बाबत ।	1 वर्ष 30 लाख	5000/- 30000/-	16/05/2025

1. निविदा से संबंधीत की प्रकार के संशोधन का प्रकाशन आर्नलाईन websitehttp://mptender.gov की वेबसाईड पर ही किया जावेगा , पृक्ष से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा , अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद नीमच

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद , नीमच (म.प्र)

एमपी में मजदूरों को बड़ी सौगात हर माह 5 हजार रुपए देगी सरकार

भोपाल 15 अप्रैल (एजेंसी)। एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को रतलाम पहुंचे। यहां उन्होंने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने मजदूरों के प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि श्रमिकों की सभी समस्याओं का समाधान भोपाल में विभागों से समन्वय कर किया जाएगा। वनवासी तथा मजदूर वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस मौके पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के मजदूरों को हर माह अनुग्रह राशि देने की भी बात बताई। अधिवेशन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार रोजगार मूलक उद्योगों को स्थापित करने को बढ़ावा दे रही है जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने अधिवेशन में मिले ज्ञापन पर भोपाल में महासंघ के साथ बैठक करके हर बिंदु पर निर्णय लेने की बात कही। सीएम ने बताया कि राज्य सरकार ने इंदौर की हनुमचंद मिल के 4800 मजदूरों के 224 करोड़ रुपयों के बकाया का भुगतान करा दिया है। उन्होंने रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी जल्द करवाने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में कहा कि देश के हित में करेगे काम, और काम के लेंगे पूरे पास, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा।

श्रमिकों को हर माह 5 हजार रुपए अनुग्रह राशि देने की

कार्ययोजना- सीएम डॉ. मोहन यादव ने मजदूरों को अहम सौगात के रूप में बताया कि सरकार श्रमिकों को हर माह 5 हजार रुपए अनुग्रह राशि देने की कार्ययोजना बना रही है। इसके अंतर्गत वस्त्र उद्योग में काम करने वाले मजदूरों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपए दिए जाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अलीराजपुर क्षेत्र के मजदूर काम की तलाश में गुजरात के सूरत जाते हैं। इनके लिए अब अलीराजपुर में ही हौरा फैक्ट्री के माध्यम से रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने धार और झाबुआ जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की।

संबल योजना में पंजीयन कराने की अपील की - सीएम ने मजदूरों के लिए चलाई जा रही संबल योजना में पंजीयन कराने की अपील की। योजना में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास आदि के लिए श्रमिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। परिवार के सदस्य की आकस्मिक मृत्यु होने पर परिवार के संबल के लिए अनुग्रह राशि दिए जाने का भी प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम में रतलाम महापौर प्रहलाद पटेल ने स्वागत उद्बोधन दिया। अखिल भारतीय मजदूर महासंघ के अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। विधायक सभागृह रतलाम में आयोजित अधिवेशन में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, विधायक मधुरलाल डामर, विधायक चिन्तामण मालवीय, जिला पंचायत अध्यक्ष लालाबाई शंभूलाल चन्द्रवंशी, पूर्व मंत्री हिमन्त कोठारी भी उपस्थित थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कछाला (जनपद जावद जिला नीमच म.प्र.)

कमांक-

निविदा

दिनांक-01/04/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्ति वर्ष 2025-26 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 21/04/2025 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है ।

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI,MS)
1. सोलिड कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेंवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. इंट	19. दरवाजा, खिडकी, चैनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20MM, 40MM	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुखम भराव	24. टाईल्स / शीट
10. टैकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बड़ा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27 सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28 एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29 कचरा पेटी
14. शेड/ चहर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30 कररा गाडी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31 नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्नी
	32 वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत कार्यालय में सम्पर्क करें ।

2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत को होगा ।

सरपंच	सचिव	सहायक सचिव
शांतिलाल रेगर	पीरूलाल रेगर	नानालाल धाकड़

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र

~~रु 81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)

मो. 940742399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।